an>

Title: Need to take steps to check deaths caused by train accidents in the country.

श्री अरविंद सावंत (मुम्बई दक्षिण) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मुझे आज बहुत सद्भाव हो रहा है कि मैं एक बहुत महत्वपूर्ण विषय जीरो ऑवर में उठा रहा हूं। रेल के एक्सीडेंट के बारे में हम बार-बार कहते रहे हैं। मुम्बई की लाइफ लाइन कही जाने वाले लोकल ट्रेन अब लोगों का लहू पी रही है। पिछले पांच दिनों में लोकल ट्रेनों से कटकर 42 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 55 लोग जख्मी हो चुके हैं। हाल ही में, मैं सेंट्रल रेलवे के सीजीएम से मिला था। मैंने उनसे इस बारे में बात की, तो वे बताने लगे कि जितने भी पैसे आये हैं, वे रेलवे के प्लेटफार्म की ऊंचाई बढ़ाने पर खर्च हुए हैं।

अध्यक्ष महोदया, आप जानती हैं कि एक्सीडेंट का कारण फुटओवर ब्रिजेज, क्रॉस ब्रिजेज आदि का न होना है। मैं बार-बार कह रहा हूं कि केन्द्र सरकार को इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। आए दिन लगातार बढ़ रहे मौत के आंकड़ों को रोकने के लिए अभी तक रेलवे के पास कोई पुख्ता इंतजाम नहीं है।

अध्यक्ष महोदया, लोकल ट्रेनों से रोजाना कटकर मर रहे लोगों का आंकड़ा दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है। इस तरह मौत के आंकड़ों में हो रही बढ़ोतरी एक गंभीर मुद्दा बनी हुई है। लोकल ट्रेनों से कटकर मरने वालों के पिछले पांच दिनों के आंकड़ों को देखें तो अब तक 42 लोगों की मौत हो चुकी है और 55 लोग जख्मी हुए हैं। यह आंकड़ा 19 नवम्बर से लेकर 23 नवम्बर का है। इन आंकड़ों को देखकर चौंकाने वाली बात यह भी है कि पिछले पांच दिनों में जितने लोग लोकल ट्रेन से कट कर मरे हैं, उनमें से 50 प्रतिशत लोगों की पहचान भी अब तक नहीं हुई है। ऐसी स्थिति में हम बार-बार मांग कर रहे हैं कि क्या रेलवे इस पर जल्द से जल्द कदम उठायेगी? इन ट्रेनों से कटने वाले लोगों में रेल के कर्मचारी भी हैं। हमारे परेल में एक वर्कशाप है, वहां से वे लोग एलफिन्सटन जाते हैं, पाली स्टेशन जाते हैं, उनकी भी कटकर मौत हो रही है। रेल इसे प्राथमिकता दे और ट्रेनों से कटकर जो मौतें हो रही हैं, उसे रोके। मैं एक और बात आपकी नजर में लाना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात पूरी हो गयी है।

â€¦(व्यवधान)

श्री अरविंद सावंत : पिछली बार उन्होंने कहा था कि इस तरह के मामलों में जो मुआवजा दिया जाता है, उसके लिए एक कमेटी बैठी थी। माननीय मंत्री महोदय ने सदन में मान्य किया था कि उसके ऊपर एक जूडिशियरी एप्वाइंट किया जायेगा, लेकिन आज तक जूडिशियरी एप्वाइंट नहीं हुआ है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से रिक्वैस्ट करता हूं कि इस पर ध्यान दिया जाये। धन्यवाद।

HON. SPEAKER: Shri A. P. Jithender Reddy – not present.

Shri Janardan Singh Sigriwal – not present.